DR. GAJENDRA TIWARI
Dept. of Psychology,
Govt. Degree College,
Bagaha
M.No - 9693082589

NATURE
स्वरूप

Ans:- मनोविज्ञान मूल रूप से प्राणी की प्रकृति का वैज्ञानिक अध्ययन करता है; लेकिन इसका सबसे अधिक संबंध मनुष्य के स्वभाव उसके ज्ञान और कार्य करने की विधियों का अध्ययन करने से है। मनुष्य 'क्यों' (Why) और कैसे (How) किसी कार्य को करता है - इन प्रश्नों से संबंधित पहलुओं का अध्ययन करना इसका उद्देश्य है। इस प्रकार, व्यक्ति अपने इर्द-गिर्द की जिन वस्तुओं, व्यक्तियों एवं परिस्थितियों के बीच रहता है, उनके प्रति भिन्न-भिन्न ढंग से प्रतिक्रियाएँ करता है, जिसका वैज्ञानिक अध्ययन करना मनोविज्ञान का मुख्य 'आलोच्य विषय' है।

मनोविज्ञान अंगरेजी के 'साइकोलॉजी' (Psychology) शब्द का हिन्दी रूपान्तर है। Psychology शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के Psyche और Logos शब्दों के मेल से हुयी है (Psyche + Logos = Psychology)। Psyche का अर्थ 'आत्मा' (Soul) तथा Logos का अर्थ विचार करना (To know about) होता है। इस प्रकार, मनोविज्ञान का शाब्दिक अर्थ "आत्मा के बारे में जानना या व्याख्या करना' है।

अगर देखा जाय तो मनोविज्ञान का अध्ययन प्राचीन समय से होता आया है, परन्तु एक स्वतंत्र विज्ञान के रूप में इसके अध्ययन का इतिहास अपेक्षाकृत बहुत ही नया है। प्रारंभ में इसे दर्शन शास्त्र का ही एक अभिन्न अंग माना जाता था और उन दिनों इसे 'फायर साइड साइकोलॉजी' (Fire side Psychology) की संज्ञा दी जाती थी। 1879 ई० में Wundt ने जब मनोविज्ञान की पहली प्रयोगशाला की स्थापना लिपजिंग में में की, उस समय से ज्ञान-विज्ञान के इस क्षेत्र में काफी प्रगति हुयी और आधुनिक मनोविज्ञान का जन्म हुआ।